



MAYUR UNIQUOTERS LIMITED

Manufacturers of Artificial Leather/PVC Vinyl

Ref: MUL/SEC/2021-22/48

Date: July 16, 2021

To,

BSE Limited
Phirozee Jeejeebhoy Towers,
Dalal Street,
Mumbai- 400 001
Scrip Code: BSE - 522249

National Stock Exchange of India Ltd.
Exchange Plaza, 5th Floor, Plot No. C/1, G-Block,
Bandra-Kurla Complex, Bandra (East), Mumbai-
400 051
Trading Symbol – MAYURUNIQ

Subject: Newspaper Advertisement for 28th Annual General Meeting to be held on August 27, 2021

Dear Sir/ Madam,

Pursuant to Regulation 30 of the SEBI (Listing Obligations and Disclosure Requirements) Regulations, 2015, please find enclosed herewith the copies of newspaper advertisement published by the Company in all edition of Financial Express (English) and Nafa Nuksan (Regional -Hindi) Newspaper in compliance with Ministry of Corporate Affairs Circular, intimating that 28th Annual General Meeting of the Company will be held on Friday, August 27, 2021 at 11:00 A.M. (IST) through Video Conferencing ("VC")/Other Audio Visual Means("OAVM").

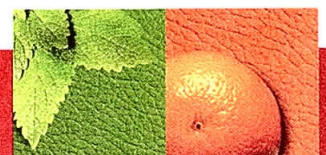
You are requested to take on record the same.

Thanking You,
For Mayur Uniquoters Limited

Rahul Joshi
Company Secretary and Compliance Officer
ACS33135



A Texture For Every Idea



Correspondance Address:

28, 4th Floor, Lakshmi Complex, MI Road, Jaipur-302001 (Rajasthan) India • Tel: +91-141-2361132 • Fax: +91-141-2365423

Regd. Office & Works: Village Jaitpura, Jaipur-Sikar Road, Jaipur-303704 (Rajasthan) India • Tel: +91-1423-224001 • Fax: +91-1423-224420

Email: info@mayur.biz • www.mayuruniquoters.com

के चित्तिलापल्ली : दिमाग से बिजनेस व दिल से समाजसेवा

नफा नुकसान रिसर्च

नई दिल्ली। कोचोसेफ चित्तिलापल्ली जीवन में 2 भूमिकाएं निभा रहे हैं- उद्योगपति व समाजसेवी, और वे इन दोनों भूमिकाओं को मिलाते नहीं हैं। वह 2 कंपनियों के चेयरमैन हैं- वी-गॉर्ड इंडस्ट्रीज लि. और बंडरला एयूजमेंट पार्क्स एंड रिसॉर्ट। जब बिजनेस करना हो तो दिमाग काम करता है वहीं समाजसेवा करते समय वह दिल से काम लेते हैं। समाजसेवा के लिए उन्होंने के चित्तिलापल्ली फाउंडेशन स्थापित किया है। कुछ दिनों से उन्होंने बिजनेस की जिम्मेदारी बलों पर छोड़ दी है और खुद दिल से समाजसेवा में लगे हुए हैं।



चित्तिलापल्ली की उम्र 71 वर्ष है और पिछले 40 वर्षों में उन्होंने 1.1 बिलियन डॉलर का बिजनेस खड़ा किया है। वह पूरी तरह कॉर्पोरेट तरीके से बिजनेस चलाते हैं और उनकी निगाहें मार्केट शेयर की तरफ लगी रहती हैं। वह कहते हैं कि समाजसेवा में ऐसा नहीं हो सकता। उसके नियम अलग हैं। वहां दिल से काम लेना पड़ता है।

चित्तिलापल्ली ने इस वर्ष समाजसेवा के लिए 222 करोड़ रुपए के कंपनी के अपने 90 लाख शेयर बेच दिए हैं। 50 लाख शेयर जून में बेचे और फरवरी में 90 करोड़ रुपए के करीब 40 लाख शेयर बेच दिए थे। कोविड में रहने वाले उद्योगपति चित्तिलापल्ली कहते हैं कि फाउंडेशन की सामाजिक गतिविधियां जारी रखने के लिए उन्होंने अपने कुछ शेयर लिक्विडेट किए हैं।

पिछले एक दशक से फाउंडेशन का फोकस गरीबों के इलाज और गरीबी रखा से नीचे रह रहे परिवारों को घर दिलवाने की तरफ है। इसके अलावा महिलाओं के स्वयं-सहायता समूह और बच्चों की शिक्षा में भी फाउंडेशन मदद करता है। चित्तिलापल्ली कहते हैं कि समाजसेवा मेरे जीवन का हिस्सा है और अब मैं इसे विस्तार देना चाहता हूँ।

ठीक एक दशक पहले चित्तिलापल्ली किडनी डोनर के रूप में उभरे थे। उसके बाद से वह कॉर्पोरेट सोशल रेस्पॉन्सिबिलिटी के मामले में सबसे अलग नजर आने लगे थे। 160 वर्ष की उम्र में उन्होंने एक 42 वर्षीय टूक ड्राइवर को अंग दान किया था। वह जानते थे कि अंगदान को लेकर लोगों में हिचकिचाहट रहती है, इसलिए वह एक अजनबी को अंग दान करके मिसाल

कायम करना चाहते थे। यह एक चुनौती थी, जिसे उन्होंने स्वीकार किया। वह सोचते थे कि जब मैं स्वस्थ हूँ तो दूसरों को स्वस्थ क्यों नहीं रहना चाहिए?

अंग दान के 10 वर्ष बाद भी वह स्वस्थ हैं और उन्होंने जिसकी मदद की थी, उसकी बेटी बड़ी हो गई है। चित्तिलापल्ली के हाई प्रोफाइल ऑर्गन डोनेशन से अन्य लोगों में भी इसके प्रति आकर्षण बढ़ा है। अन्य राज्यों की तुलना में केरल में, खास तौर से परिवार के बीच लोगों में आपस में अंग दान ज्यादा लोकप्रिय है।

चित्तिलापल्ली ने जब राज्य में आवाजा कुत्तों के संरक्षण की आवाज उठाई, तब वह एनिमल राइट्स एक्टिविस्ट्स की नजरों में खटकने लगे थे। वह आवाजा कुत्तों को संरक्षण देने की मांग को लेकर भूख हड़ताल पर बैठ गए थे और उन्होंने इस संबंध में केरल हाईकोर्ट में याचिका भी दायर की थी।

इस मुद्दे पर समाज में धुवीकरण हुआ और मठों के खिलाफ भी आवाज उठी। करीब 5 वर्ष तक यह मुद्दा जारी रहने के बाद चित्तिलापल्ली कहते हैं कि जो लोग आवाजा कुत्तों की चिंता करते हैं, उन्हें कुत्तों के लिए शेल्टर उपलब्ध करवाने चाहिए और उनके भोजन का प्रबंध करना चाहिए। यदि वे भूखे हैं और खुले घूमते हैं तो लोगों को कांटेंगे। चित्तिलापल्ली ने 1977 में अपने पिता से एक लाख रुपए लिए थे और और सिर्फ 2 एंफ्लाईज के साथ वॉल्टेज स्टेबिलाइजर का छोटा सा बिजनेस शुरू किया था। वह कहते हैं कि अब समाज को चुकाने का समय है। पिता की तरफ से मिली शुरुआती मदद के अलावा समाज ने मेरे भाग्य को संवारा है। अब मेरी जिम्मेदारी है कि मैं भी समाज के लिए कुछ योगदान करूं।

चित्तिलापल्ली का बिजनेस अन्य इलेक्ट्रिकल प्रोडक्ट्स में डायवर्सिफाइड है और उन्होंने एम्यूजमेंट पार्क की चैन भी कायम की है। हालांकि अब वह वोमालैंड होम्स नाम से छोटी इमारतों का निर्माण भी कर रहे हैं।

यह एक छोटी शुरुआत है, जो चित्तिलापल्ली की बिजनेस फिलॉसॉफी को स्पष्ट करती है। सफलता का जुनून, एंटरप्राइज कायम करना हो या प्रोडक्ट को मार्केटिंग, इसमें मेहनत करने के बाद बाईप्रोडक्ट के रूप में वैल्यू मिलती है। चित्तिलापल्ली कहते हैं कि हम सिर्फ वैल्यू क्रिएट नहीं करते हैं, बल्कि और ज्यादा सक्सेस स्टोरीज क्रिएट करना चाहते हैं।

महामारी के दौरान भारत में कंसल्टेंसी कंपनियों के दिन फिरे

नफा नुकसान रिसर्च

मुंबई। महामारी के कारण भारतीय कंसल्टेंसी कंपनियों के दिन फिर गए हैं। विश्व स्तरीय कंपनियों की भारतीय शाखाओं को बहुत काम मिल रहा है। पीडब्ल्यूसी, ईवाई, केपीएमजी, ईवैल्यूसर्व, अलवारेज एंड मारशल सहित अन्य कंपनियों के मुताबिक डील प्रिपरेशन व डॉक्यूमेंटेशन से संबंधित काम भारत में आने लगे हैं।

नई टीम बनाने से लेकर ज्यादा लोगों की नियुक्ति तक पिछले 12 महीनों से कंसल्टेंसी कंपनियों का अच्छा विस्तार हो रहा है। पीडब्ल्यूसी इंडिया के पार्टनर व लीडर-डीप्ट दिनेश अरोड़ा ने कहा कि विश्व में महामारी के कारण लॉकडाउन के साथ ही लोगों को लगने लगा था कि अब ज्यादातर काम रिमोटली करने होंगे, ऐसे में भारत जैसी जगह काम किया जा सकता है, जहां टैलेंट भी है, रेट्स भी कम हैं और



डिमांड भी पूरी की जा सकती है।

विश्व स्तर पर कंसल्टेंसी कंपनियों को 200-500 डॉलर प्रति घंटा क्लाइंट्स से चार्ज करती है, वहीं भारत में यह चार्ज 50-

100 डॉलर प्रति घंटा है, जिससे क्लाइंट्स को काफी बचत होती है। महामारी के कारण ज्यादातर कंसल्टेंट्स घरों में बंद रहे, वहीं भारतीयों के लिए यह अच्छा अवसर

है। पिछले 2 वर्षों में ही भारतीय कंसल्टेंसी कंपनियों को विदेशों से बहुत एसाइनमेंट मिल रहे हैं। रेवेन्यू की बात करें तो ज्यादातर बड़ी और बुटिक कंसल्टेंसी कंपनियों की ग्रोथ साल-दर-साल के हिसाब से 20 फीसदी तक पहुंच गई है।

इंडस्ट्री के जानकारों के मुताबिक ज्यादातर मामलों में, जहां ग्लोबल इनवेस्टर्स एशिया में इनवेस्ट करने की संभावनाएं देख रहे हैं, वहां वे स्थानीय ड्यू डिलिजेंस टीम की मदद ले रहे हैं। डिलाइट इंडिया के पार्टनर-फोर्सिक, फाइनेंसियल एडवाइजरी रोहित मदान ने कहा कि प्राइवेट इक्विटी की तरफ से भी ड्यू डिलिजेंस रिसेलेट बढोतरी हो रही है और अन्य इनवेस्टर्स, जो थाईलैंड, मलेशिया, इंडोनेशिया, और इस क्षेत्र के अन्य देशों में इनवेस्ट करना चाहते हैं, उनकी ओर से भी ड्यू डिलिजेंस रिसेलेट काम इंडिया में आ रहा है।

मॉनसून-एडवेंचर डेस्टिनेशन के रूप में उभरेगा राजस्थान

जयपुर/ आईएनएस



राजस्थान पर्यटन अधिकारियों ने पुष्टि की कि रैगिस्तानी राज्य राजस्थान, जो अपने महलों और किलों के लिए दुनिया भर में जाना जाता है, उसे अब एक साहसिक और मानसून डेस्टिनेशन के रूप में प्रचारित किया जाएगा। सुंदर किलों, भव्य महलों, रेत और जंगल को देखने के लिए पर्यटक राज्य का दौरा करते रहे हैं। हालांकि, बहुत से लोग नहीं जानते हैं कि राज्य में कई ऐसे गंतव्य हैं जो मानसून के दौरान खूबसूरत हो जाते हैं। इनमें बांसवाड़ा और उदयपुर शामिल हैं। अधिकारियों ने कहा कि जहां बांसवाड़ा नदी, पहाड़ियों, द्वीपों और सुंदर परिदृश्य के साथ एक 100-द्वीप शहर है, वहीं उदयपुर में भी आकर्षक झीलें और हरे भरे परिवेश हैं, जो मानसून के दौरान सुंदर हो जाते हैं। इसलिए, हम इन दोनों गंतव्यों को पर्यटकों के

बीच मानसून स्थलों के रूप में बढ़ावा देंगे। इनके अलावा, राज्य को एडवेंचर टूरिज्म स्थल के रूप में भी बढ़ावा दिया जाएगा। अधिकारियों ने कहा, "ज्यादातर पर्यटक हिमाचल और उत्तराखंड में एडवेंचर टूरिज्म को देखने के लिए आते हैं। बहुतों को यहां चल रही साहसिक गतिविधियों के बारे में पता नहीं है, इसलिए अगला ध्यान साहसिक पर्यटन को बढ़ावा देना है।" कोविड प्रभाव ने राजस्थान के पर्यटन राज्य को गहराई से प्रभावित किया है और इसलिए सरकार घरेलू यात्रियों के बीच पर्यटन को बढ़ावा देने की कोशिश कर रही है।

पारले एग्रो डेयरी क्षेत्र में उतरी, 'स्मूद' ब्रांड के तहत फ्लेवर्ड मिल्क उत्पाद पेश किए

नई दिल्ली/ एजेंसी

घरेलू पेय पदार्थ कंपनी, पारले एग्रो ने बुधवार को कहा कि उसने 'स्मूद' ब्रांड नाम के तहत फ्लेवर्ड दुग्ध उत्पादों को बाजार में उतार डेयरी खंड में प्रवेश किया है।

कंपनी ने एक बयान में कहा कि इस विविधीकरण के साथ गहन शोध और आधुनिक और नयी तकनीकों में व्यापक निवेश हुआ है ताकि एक मजबूत डेयरी बुनियादी संरचना का निर्माण किया जा सके और भारतीय उपभोक्ताओं के लिए नए



उत्पाद पेश किए जा सकें। कंपनी ने 85 मिलीलीटर टेट्रा पैक के लिए 10 रुपये की

कीमत रखी है।

कंपनी ने कहा, इस पेशकश के साथ पारले एग्रो भारत में ब्रांडेड फ्लेवर्ड मिल्क बाजार को मौजूदा 800 करोड़ रुपये से बढ़ाकर अगले चार साल में 5,000 करोड़ रुपये करने की तैयारी कर रही है। हालांकि अब वह वोमालैंड होम्स नाम से छोटी इमारतों का निर्माण भी कर रहे हैं।

जिसका लक्ष्य सभी आयु वर्ग के उपभोक्ता हैं।

पारले एग्रो की संयुक्त प्रबंध निदेशक और मुख्य विपणन अधिकारी नादिया चौहान ने कहा, "इस अविश्वसनीय उत्पाद को विकसित करने में समर्पित अनुसंधान एवं विकास (अनुसंधान और विकास) में वर्षों का समय लगा है। और, सभी पारले एग्रो उत्पादों की तरह, मैं हमारे उपभोक्ताओं के बेहतरीन अनुभव के लिए बाजार में इसे पेश करने को लेकर बेहद खुश एवं प्रसन्न हूँ।"

देश का पहला 'अनाज एटीएम' पायलट परियोजना के रूप में गुरुग्राम में शुरू

चंडीगढ़/ एजेंसी। देश का पहला 'ग्रेन एटीएम' गुरुग्राम में पायलट परियोजना के रूप में स्थापित किया गया है और यह मशीन एक बार में पांच से सात मिनट के भीतर 70 किलो तक अनाज निकाल सकती है। हरियाणा के उपमुख्यमंत्री दुष्यंत चौटाला ने बुधवार को यह जानकारी दी।



उन्होंने कहा कि अब उपभोक्ताओं को खाद्यान्न लेने के लिए सरकारी राशन डिपो के सामने कतार में नहीं लगना पड़ेगा क्योंकि हरियाणा सरकार उपभोक्ताओं को 'अनाज एटीएम' उपलब्ध कराएगी।

चौटाला ने कहा कि हरियाणा के गुरुग्राम जिले में प्रायोगिक परियोजना के रूप में देश का पहला 'ग्रेन एटीएम' स्थापित किया गया है। चौटाला के पास खाद्य और नागरिक आपूर्ति विभाग की जिम्मेदारी भी

है। उन्होंने कहा कि अनाज एटीएम की स्थापना से राशन की मात्रा के समय और सही माप से संबंधित सभी शिकायतों का निवारण किया जाएगा। उन्होंने यहां एक आधिकारिक बयान में कहा, "इस मशीन को स्थापित करने का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि सही मात्रा कम से कम परेशानी के साथ सही लाभार्थी तक पहुंचे।"

चौटाला ने कहा कि इससे न केवल उपभोक्ताओं को लाभ होगा बल्कि सरकारी डिपो में खाद्यान्न की कमी की परेशानी भी समाप्त होगी और सार्वजनिक खाद्य वितरण प्रणाली में पहले की तुलना में अधिक पारदर्शिता आएगी। उन्होंने कहा कि गुरुग्राम जिले के फर्रुखनगर में इस पायलट परियोजना के सफल समापन के बाद राज्य भर के सरकारी डिपो में खाद्य आपूर्ति मशीनों को स्थापित करने की योजना है।

बयान में कहा गया है कि अनाज एटीएम एक स्वचालित मशीन है जो बैंक एटीएम की तरह काम करती है। इसमें कहा गया है, "इस मशीन को संयुक्त राष्ट्र के 'विश्व खाद्य कार्यक्रम' के तहत स्थापित किया जाएगा और इसे स्वचालित, बहु वस्तु, अनाज वितरण मशीन कहा जाता है।"

With very few players in the market, we're the largest and only commercial manufacturer of SDAs for zeolites in India. And the second largest, globally.

Leading manufacturer of SDAs and phase transfer catalysts (PTCs) with consistent quality
Diverse portfolio of SDAs, PTCs, electrolyte salts for super capacitor batteries and pharmaceutical and agrochemical intermediates and other specialty chemicals ("PASC")
Manufactured over 154 products as of March 31, 2021
Large, strategically located manufacturing facilities with a focus on 'green' chemistry processes
Dedicated R&D facility recognized by the Department of Scientific and Industrial Research ("DSIR"), Government of India, at Vadodra, Gujarat, with state-of-the-art research and development infrastructure
Global footprint: exporting to over 25 countries, including the USA, China, Germany, Japan, South Africa, and the UK
Two wholly owned subsidiaries in the USA and Netherlands
Wide customer base across various industries having high entry barriers

TATVA CHINTAN PHARMA CHEM LIMITED

*Source: Report titled "Independent Market Report - India Chemicals and Specialty Chemicals Markets" dated March 30, 2021 that has been prepared by Frost & Sullivan **Structure Directing Agents

TATVA CHINTAN PHARMA CHEM LIMITED is proposing, subject to applicable statutory and regulatory requirements, receipt of requisite approvals, market conditions and other considerations, to make an initial public offering of its Equity Shares and has filed the red herring prospectus dated July 10, 2021 with the Registrar of Companies, Gujarat and Dabra & Nagar Haveli at Ahmedabad read with the corrigenda dated July 12, 2021 and July 13, 2021 ("RHP") and thereafter with SEBI and the Stock Exchanges. The RHP shall be available on the website of SEBI at www.sebi.gov.in, websites of the Stock Exchanges i.e. BSE and NSE at www.bseindia.com and www.nseindia.com, respectively, and is available on the websites of the BRLMS i.e. ICICI Securities Limited and JM Financial Limited and www.jmf.com, respectively. Bidders should note that investment in equity shares involves a high degree of risk and for details relating to the same, please see the section entitled "Risk Factors" on page 24 of the RHP. Potential Bidders should not rely on the DRHP filed with SEBI for making any investment decision. The Equity Shares have not been and will not be registered under the U.S. Securities Act of 1933, as amended (the "Securities Act") or any state securities laws in the United States and, unless so registered, may not be offered or sold within the United States, except pursuant to an exemption from, or in a transaction not subject to, the registration requirements of the Securities Act and applicable state securities laws. Accordingly, the Equity Shares are only being offered and sold outside the United States in offshore transactions in reliance on Regulation S under the Securities Act and the applicable laws of the jurisdictions where those offers and sales are made. There will be no public offering in the United States.